(b) who are the owners of these names;

(c) since when such names are being used in the Indian market; and

(d) what are the names of the Indian companies which have been permitted to use such 'hybrid' names during the last three years?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI AJIT SINGH): (a) Under the Trade & Merchandise Marks Act, 1958, (TMMA) there is no separate definition of foreign trade marks, Indian trade marks or hybrid trade marks.

(b) and (c) No composite trade mark (e.g. Maruti-Suzuki, Hero-Honda etc.) has been registered with the Registrar of Trade Marks as jointly owned trade mark.

(d) Prior permission is not required under the TMMA, 1958, for the use of the trade mark. Under the TMMA, application for registration is a voluntary action by the owner of the trade mark for better legal protection of the trade mark.

जयपुर से दिल्ली के लिए विमान-सेवा

66. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इंडियन एयर-लाइंस की जयपुर से दिल्ली आने वाली उड़ान का समय प्रातः 10.40 बजे से बदलकर सांय 4.50 बजे करने के क्या कारण हैं और क्या सुबह आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए जयपुर से दिल्ली को कोई नई उड़ान शुरू की जाएगी ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : एयरबस ए-320 विमानों का परिचालन रोक दिये जाने और पट्टे पर लिये गये बी-737 विमानों की वापसी के कारण, इंडियन एयर-लाइन्स को आई० सी०-492 (बम्बई-औरंगाबाद-उदयपुर-जोधपुर-जयपुर-दिल्ली (उड़ान के समय को 5 मार्च, 1990 से बदल देना पड़ा । विमान क्षमता की कमिनाई के कारण इंडियन एयरलाइन्स की इस समय जयपुर और दिल्ली के बीच प्रातःकालीन सेवा आरंभ करने की कोई योजना नहीं है ।

राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले में उद्योगों की स्थापना

67. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किसी जिले को औद्योगिक रूप से पिछड़ा जिला घोषित करने के मापदंड क्या हैं ;

(ख) क्या राजस्थान में सवाई माधोपुर जिला भी इस श्रेणी के अंतर्गत आता है ;

(ग) क्या सवाई माधोपुर जिले में एक नया बड़ा उद्योग स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) राजस्थान में उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां अगले तीन वर्षों में उद्योग अथवा बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित किए जाने की संभावना है और इन उद्योगों अथवा औद्योगिक इकाइयों के नाम क्या हैं, इनकी स्थापना कब तक की जाएगी और इनके परिणामस्वरूप कितने व्यक्तियों को रोजगार मिल जाने की संभावना है ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) किसी जिले को पिछड़ा घोषित करने के लिए निधारित मानदंड हैं--प्रति व्यक्ति खाद्यान्न वाणिज्यिक फसल उत्पादन, जो इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वह जिला प्रधानतया खाद्यान्नो नकद फसल (कैशक्राप) का उत्पादक है, आबादी में कृषि कामगारों का अनुपात, प्रति व्यक्ति औद्योगिक उत्पादन, प्रति लाख आबादी में कारखाना कर्मचारियों की संख्या अथवा इसके विकल्प के रूप में प्रति लाख आबादी में दूसरे अथवा तीसरे कार्यों में लगे व्यक्तियों की संख्या, प्रति व्यक्ति बिजली की खपत आबादी की दृष्टि से पक्की सड़कों की लंबाई अथवा आबादी की दृष्टि से रेलमार्ग की मील दूरी ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) और (घ) वर्ष 1987-89 के दौरान राजस्थान को 120 आशय पत्र तथा 36 औद्योगिक लाइसेंस मंजूर किए गए थे, जिसमें से एक आशय-पत्र सवाई-माधोपुर के लिए दिया गया था । जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंसों और आशय पत्रों के संबंध में उपक्रमों के नाम व पते, स्थापना-स्थल विनिर्माण की मद, क्षमता आदि के ब्यौरे भारतीय निवेश केन्द्र द्वारा नियमित रूप से प्रकाशित किए जाते हैं, जिसकी प्रतियां संसद पुस्तकालय में उपलब्ध है ।

राजस्थान में तेल और गैस का निकाला जाना

68. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां इस समय तेल और ज्वलनशील गैस निकाली जा रही है या निकट भविष्य में निकाले जाने की संभावना है ; और

(ख) राजस्थान में गैस और तेल के कितने संभावित भंडार हैं तथा ये कहां-कहां स्थित है और इन जिन्सों की खोज और उसके निकाले जाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं और इन संकर्मों को कब तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भजमन बेहरा): (क) आज की तारीख में राजस्थान में कोई तेल या गैस नहीं निकाली जा रही है । उपयुक्त उपभोक्ताओं का पता लगने के बाद ही वाणिज्यिक स्तर पर गैस का उत्पादन किया जाना व्यवहार्य होगा ।

(ख) तेल एंव प्राकृतिक गैस आयोग ने राजस्थान के मनहेड़ा टिब्बा और घोटारु गैस क्षेत्रों में 1.648 बिलियन घन मीटर हाइड्रोकार्बन गैस के भौमिकीय भंडार का पता लगाया है। इन क्षेत्रों में फिलहाल रेखांकन सुधार लाने संबंधी कार्य चल रहे हैं जो उपयुक्त विकास/उत्पादन योजनाओं को तैयार करने से पूर्व किये जाते हैं । ओयल इंडिया लि० ने राजस्थान में जैसलमेर जिले के तनाट और रामगढ़ क्षेत्र में 2.5 बिलियन घन मीटर प्राकृतिक गैस के भंडार का पता लगाया है । पश्चिमी तनोट क्षेत्र में डंडेवाला कूप में मुक्त, हाइड्रोकार्बन गैस होने के संकेत मिले हैं । इन भंडार में आगे और वृद्धि होने का अनुमान है । ओयल इंडिया लि० की भूकंपीय सर्वेक्षण और अतिरिक्त खुदाई द्वारा अपने अन्वेषण कार्यों को बढ़ाने की योजना है। प्राकृतिक गैस के वाणिज्यिक स्तर पर उत्पादन प्रारम्भ करना ऐसी गैस के उपयोग के लिए किये जाने वाले निवेशों पर निर्भर करेगा ।

Furnishing of details by drug companies

69. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: CHOWDHARY RAM SEWAK:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to refer to the answer to unstarred Question 821 given in the Rajya Sabha on the 19th March, 1990 and state:

(a) what are the names of the companies which have not furnished the details required for assessment of liability under Drugs Prices Equalisation Account;

(b) what steps have been taken from 1983 till date to obtain the details;

(c) what are the names of drugs involved in each case;

(d) what are the names of drugs for which final assessment has been completed;

(e) whether it is a fact that his Ministry found a number of anomalies and discrepancies in the assessment made by the special team; and

(f) if so, what are the details thereof and what action has been taken thereon?